विश्व मृदा दिवस का आयोजन

भाकृअनुप- केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, मोदीपुरम पर आज दिनांक 05 दिसम्बर, 2024 को "विश्व मृदा दिवस" का आयोजन किया गया। केंद्र अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार सिंह ने आमंत्रित किसानों एवं कृषि छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में मानव जीवन में मृदा के स्वास्थ्य एवं इसके संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ संजय रावल, प्रधान वैज्ञानिक ने इस वर्ष के शीर्षक "मृदा की देखभाल: मापन, निगरानी एवं प्रबंध" पर विस्तार से सरल शब्दों में उपस्थित किसानों एवं छात्र-छात्राओं को जागरूक किया एवं भविष्य में इसके संरक्षण हेतु अच्छी कृषि क्रियाओं में उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के वरिष्ठ सलाहकार डॉ एम एस कादियान भी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों एवं विद्यार्थियों को समुचित फ़सल अवशेष प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित किया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ देवेंद्र कुमार, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक ने अपने सम्बोधन में किसानों एवं विद्यार्थियों से मृदा परीक्षण पर रोचक तरीकों से परिचर्चा की और इसे स्टार्ट-अप के रूप में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पूजा मानकर, वैज्ञानिक ने किया। इस आयोजन का विशेष आकर्षण एग्री-ड्रोन का प्रक्षेत्र प्रदर्शन रहा। कार्यक्रम में लगभग 15 कृषकों एवं 150 कृषि एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

Celebration of World Soil Day

Today "World Soil Day" was organized at ICAR-Central Potato Research Institute, Regional Station, Modipuram. Dr. RK Singh, Head of the station welcomed invited farmers and students. In his address, he highlighted the importance of soil health and its conservation in human life. Dr. Sanjay Rawal, Principal Scientist, in his presentation explained this year's theme "Caring for Soils: Measure, Monitor and Manage" and called for adopting good agricultural practices for nutrient management and natural farming. Dr. MS Kadian, Senior Advisor, International Potato Centre was also present on this occasion. He encouraged farmers and students for proper crop residue management. The chief guest of this event, Dr. Devendra Kumar, former Principal Scientist, in his address, discussed soil testing with farmers and students and asked them to adopt it in a business mode as a start-up. The programme was coordinated by Dr. Pooja Mankar, Scientist. Special attraction of this event was field demonstration of agri-drone. Around 15 farmers and 150 students participated in this event.

मृदा की देखभालः माप, निगरानी, प्रबन्धन
CARING FOR SOILS: MEASURE, MONITOR, MANAGE
CPRI
विश्व मृदा दिवस
WORLD SOIL DAY

मृदा की देखभालः माप, निगरानी, प्रबन्धन
CARING FOR SOILS: MEASURE, MONITOR, MANAGE
CPRI
विश्व मृदा दिवस
WORLD SOIL DAY
5 दिसम्बर 2024

मृदा की देखभालः माप, निगरानी, प्रबन्धन
CARING FOR SOILS: MEASURE, MONITOR, MANAGE
CPRI

विश्व मृदा दिवस
WORLD SOIL DAY